



ལྷན་ ཡོང་པུ་རྩི་

মঘ ভাষা প্রবেশিকা

मोघ भाषा प्रवेशिका

MOGH PRIMER



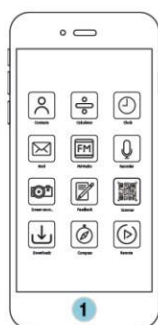
CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

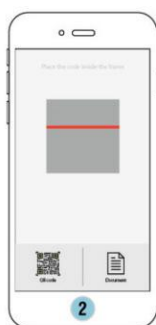
क्यूआर (QR) कोड से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पॉन्स कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला epathshala.nic.in के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।



प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें



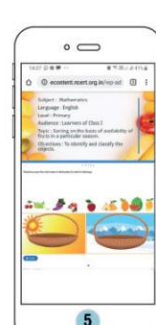
क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें



स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें



लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें



उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें—
<https://epathshala.nic.in/topics.php> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

 दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। दीक्षा का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।



अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें



अपनी भूमिका चुनें—शिक्षक या विद्यार्थी



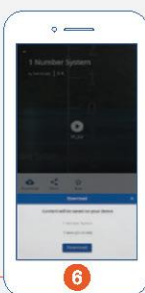
पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें



क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें



कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें



क्लिक करके क्यूआर कोड से संबंधित ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें—
<https://diksha.gov.in/resources> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।



“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

ଘୋର ଘଟଣାକ୍ରମ
মঘ ভাষা প্রবেশিকা
मोघ भाषा प्रवेशिका
MOGH PRIMER



भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

မောင် သင်ပုန်းကြီး
মঘ ভাষা প্রবেশিকা

मोघ भाषा प्रवेशिका MOGH PRIMER

A basal reader of Mogh alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani

Shailendra Mohan

Aleendra Brahma

Rimpi Borah

ISBN: 978-81-19411-71-9

First Edition: March 9, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024

All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Shwetha K

Cover Photo: Ringku Mog

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.



संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के मार्ग का प्रमुख अवयव भारतीय भाषाएँ हैं, जिनसे ज्ञान-विज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच देश के समस्त बच्चों तक सुनिश्चित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब छात्रों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसीलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी।


(धर्मेन्द्र प्रधान)



प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मजबूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों(का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognizing, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

ভারত যুগযুগ ধরে বহুভাষী এবং বহুসংস্কৃতির দেশ, দেশের বিভিন্ন অঞ্চলে বহু কথ্যভাষা রয়েছে। কথোপকথনে একাধিক ভাষা ব্যবহার করা দেশের একটি সাধারণ বৈশিষ্ট্য, এটি আমাদের একত্রে আবদ্ধ করে এবং ঐক্যবদ্ধ রাখে। জাতীয় শিক্ষানীতি (NEP) 2020 দৃঢ়ভাবে এই ধারণার উপর জোর দেয় যে, ভারতের বহুভাষিক প্রকৃতি একটি বিশাল সম্পদ যা দেশের সামাজিক-সাংস্কৃতিক, অর্থনৈতিক এবং শিক্ষাগত উন্নয়নের জন্য দক্ষতার সাথে ব্যবহার করা

প্রয়োজন। এটি প্রতিটি স্তরে শিক্ষায় বহুভাষিকতার প্রচারের সুপারিশ করে যাতে শিক্ষার্থীরা তাদের নিজস্ব ভাষায় পড়াশুনা করার সুযোগ পায়। সমস্ত ভারতীয় ভাষায় শিক্ষণ ও শিখন উপকরণ তৈরি করণ এই বহুভাষিক সম্পদকে বাড়িয়ে তুলবে এবং ‘বিকশিত ভারত’ এর রূপকল্পে আরও ভালো অবদান রাখবে। বলা হয়েছে NEP 2020 এর সাথে সামঞ্জস্য রেখে নবপর্যায়ের প্রাথমিক পাঠ্যপুস্তক বিকাশের জন্য একটি ব্যাপক ও অন্তর্ভুক্ত পদ্ধতির প্রয়োজন যা ভারতে প্রতিটি অঞ্চলের অন্যান্য ভাষাগত এবং সাংস্কৃতিক বৈশিষ্ট্যগুলিকে সম্বোধন করে। এই প্রাথমিক পাঠ্যপুস্তকগুলির উদ্দেশ্য হল পড়া ও লেখার ক্ষেত্রে শুধুমাত্র ভাষার দক্ষতা প্রদান করা নয় বরং প্রাথমিক পর্যায়ের শিক্ষার্থীদের সৃজনশীলতা এবং সমালোচনামূলক চিন্তাভাবনাকে উৎসাহিত করা। এটি একটি ভাষার বর্ণমালার হরফ এবং প্রতীক ও উচ্চারণ স্বীকৃতির চাবিকাঠি। প্রাথমিক পাঠ্যপুস্তকগুলি হরফের এক বা একাধিক পর্যায়ের সাথে শিশুদের পরিচয় করিয়ে দেয় যা হরফগুলির সংমিশ্রণের মাধ্যমে তৈরি করা হয়, যেমন শব্দের প্রাথমিক, মধ্যবর্তী ও চূড়ান্ত অবস্থানের হরফ। সেইসাথে এটি এমন উদাহরণ তৈরি করে যা পরবর্তিতে প্রবর্তিত হরফ লেখার অনুশীলনকে সহজতর করবে এবং ছড়াগুলি শিক্ষার্থীদের ভাষা বিকাশ এবং জ্ঞানীয় দক্ষতায় সাহায্য করবে।

মার্চ, 2024
মৈসুরু

ডা. শীলেন্দ্র মোহন
নির্দেশক
ভারতীয় ভাষা সংস্থান, মৈসুরু

CIIL-NCERT Primer Series: Mogh Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi

Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru

Chamu Krishna Shastri, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi

Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Member Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Kongjari Mog, Social Worker, Tripura

Kejari Mog, Headmaster, Bidyamohan CPSB School, Tripura

Ringku Mog, National Folk Artist (Mogh Actor & Mog Film Maker), Tripura

Bengali Reviewer

Sanjiban Mandal, Resource Person (Teaching) in Bengali, Eastern Regional Language Centre, (CIIL),
Bhubaneswar, Odisha

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru

Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language
Centre, (CIIL), Guwahati

Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages
(SPPEL), CIIL, Mysuru

Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru

Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

মগ ভাষা প্রবেশিকা বইটি কিভাবে পড়বেন

জাতীয় শিক্ষানীতি 2020 এবং জাতীয় পাঠ্যক্রম কাঠামো 2022 এর অধীনে, তিন থেকে আট বছরের শিশুদের জন্য তাদের মাতৃভাষা, স্থানীয় ভাষা এবং আঞ্চলিক ভাষায় শিক্ষা প্রদানের ব্যবস্থা করা হয়েছে। কেন্দ্রীয় সরকার তিন থেকে পাঁচ বছরের প্রাক-প্রাথমিক শিক্ষার্থীদের মৌলিক সাক্ষরতা এবং I-II শ্রেণিতে শিক্ষার্থীদের প্রাথমিক সাক্ষরতা প্রদানের জন্য বিশেষ ব্যবস্থা নিয়েছে। তাই এই প্রবেশিকাটিতে মগ ভাষায় লেখা কবিতা ও শব্দের মাধ্যমে শিক্ষার্থীদের মৌখিক ভাষা বিকাশের উপর জোর দেওয়া হয়েছে। পাঠ্যপুস্তকে মগ ভাষা বর্ণমালার পরিচয় দেওয়া হয়েছে এবং ছবির সাহায্যে শব্দের পরিচয় দেওয়া হয়েছে। জাতীয় পাঠ্যক্রম কাঠামো 2022 এ বিশদভাবে বিবরণ দেওয়া রয়েছে- কিভাবে শিক্ষার্থীরা তাদের মাতৃভাষায় পড়তে ও লিখতে শেখার সময় সেই রাজ্যের প্রধান ভাষাও লিখতে ও পড়তে শিখতে পারে। তাই মগ বর্ণমালার পাঠ্যপুস্তকে শিশুর মাতৃভাষার পাশাপাশি বাংলা ভাষার শব্দও অন্তর্ভুক্ত করা হয়েছে। এই শব্দগুলো শিশুর চারপাশের পরিচিত পরিবেশ থেকে সংগ্রহ করে পাঠ্যপুস্তকে অন্তর্ভুক্ত করা হয়েছে। বহুভাষিক শিক্ষার মূল লক্ষ্য হল মাতৃভাষায় শিক্ষার্থীদের পঠন ও লিখন দক্ষতার উন্নতি করা। পাঠ্যপুস্তকটি মগ ও বাংলা ভাষায় উপস্থাপিত এবং শিশু শিক্ষার্থীদের জন্য নকশাকৃত। পাঠ্যপুস্তকের মূল উদ্দেশ্য হল কবিতা ও ছবির মাধ্যমে শিশুদের বুদ্ধিবৃত্তিক ও মানসিক বিকাশ ঘটানো। সেইসঙ্গে ভাষা শিক্ষার জন্য শিক্ষার্থীদের বর্ণমালার পাশাপাশি শব্দভাণ্ডারের সাথেও পরিচয় করিয়ে দেওয়া।

পাঠ্যপুস্তকটি ব্যবহারের নিয়মাবলী:

শব্দ পরিচিতি : শিক্ষার্থীরা পাঠ্যপুস্তকে ছবি দেখে বস্তুর নাম বলবে। শিক্ষক/শিক্ষিকাগণ প্রশ্ন করবেন যে- বস্তুটির নাম কোন ধ্বনি বা বর্ণ দিয়ে শুরু হয়েছে। শিক্ষার্থীরা ছবিটি দেখার পর তা বুঝতে পারবে। যেমন- ‘আখা’ ছবিটি দেখে শিশুরা উত্তর দেবে শব্দটি ‘আ’ ধ্বনি বা বর্ণ দিয়ে শুরু হয়েছে।

বর্ণমালার পরিচিতি : শিক্ষক/শিক্ষিকা ‘ছ’ বর্ণটিকে চিহ্নিত করার জন্য শিক্ষার্থীদের প্রশ্ন করবেন- ‘ছ’ বর্ণটি দেখতে কেমন? তাঁরা শিক্ষার্থীদের পাঠ্যপুস্তকে দেওয়া শব্দ থেকে ‘ছ’ বর্ণটি খুঁজে বের করতে বলবেন। শিক্ষার্থীরা তিন বা চারটি শব্দ থেকে ‘ছ’ বর্ণযুক্ত শব্দ খুঁজে বের করে উচ্চারণ করবে এবং ‘ছ’ বর্ণটি লেখার অভ্যাস করবে।

পড়া : শিক্ষার্থীরা ছবি দেখে তাদের নিজস্ব ভাষায় কথা বলার চেষ্টা করবে এবং নির্দিষ্ট ছবিটি আঙুল দিয়ে স্পর্শ করে ‘ছুই’ শব্দটি উচ্চারণ করবে। তারপর শিক্ষার্থীরা ‘ছ’ ধ্বনি বা বর্ণ দিয়ে শুরু হওয়া অন্যান্য শব্দ পড়ে ‘ছ’ ধ্বনি বা বর্ণটিকে খুঁজে বের করতে এবং বলতে শিখবে। শিক্ষক/শিক্ষিকা প্রারম্ভিক, মধ্য এবং অন্ত্য অবস্থানে ‘ছ’ ধ্বনি/বর্ণের ব্যবহার সম্পর্কে শিক্ষার্থীদের উদাহরণসহ বলবেন।

লেখা: শিক্ষকেরা প্রথমে শিক্ষার্থীদের ‘ছুই’ শব্দের ‘ছ’ বর্ণটি লিখতে শেখাবেন। শিক্ষকেরা শিশুদের শেখাবেন কিভাবে কলম ধরে বাম থেকে ডানে লিখতে হয়। তারপর শিশুরা নিজেরাই বর্ণমালা দেখে ‘ক’ বা অন্যান্য বর্ণ লিখতে অভ্যাস করবে এবং লেখার সময় শিক্ষক/শিক্ষিকা তাদের সাহায্য করবেন।

মগ ভাষাভাষী শিশুদের মাতৃভাষার পাশাপাশি বাংলাভাষাতেও ‘মগ ভাষা প্রবেশিকা’টি প্রস্তুত করা হয়েছে।

အောက်ပါ စာကြောင်းများကို ကြည့်ရှုပြီး နှင့် ပေးထားသည့် အရာမာ ကားပုံချတ် ကြောင်းကို ကြိုးစားပါ :

မတ်တတ်ရပ် ကြောင်း :



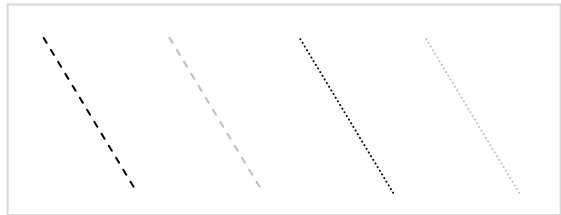
အိပ်စည်း ကြောင်း :



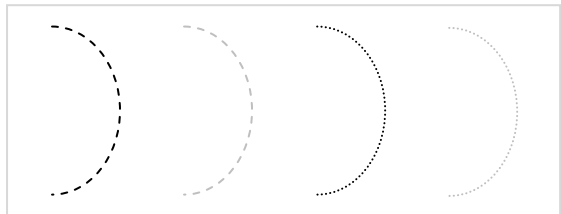
စောင်းတန်း ကြောင်း ၁ :



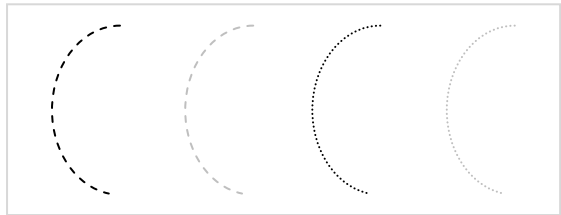
စောင်းတန်း ကြောင်း ၂ :



မျဉ်း ကြောင်း ၁ :



မျဉ်း ကြောင်း ၂ :



မှတ်ချက် : ဆရာသည် ခဲတံ ကိုင်နည်း နှင့် ကားပုံချတ် ကြောင်းကို သင်ကြားပေးမည် ဖြစ်သည် ။

အကွရာ

(အာကွာ)

သရ အကွရာ

(သရ အာကွာ)

အ အာ အာ ဤ ဥပဉ်

ဧ အဲ ဩ ဩဩ အံ အား

အက္ခရာ

(အက္ခရာ)

ဖျဉ် အက္ခရာ

(ဖျဉ် အက္ခရာ)

က	ခ	ဂ	ဃ	င
စ	ဆ	ဇ	ဈ	ည
ဋ	ဌ	ဍ	ဎ	ဏ
တ	ထ	ဒ	ဓ	န
ပ	ဖ	ဗ	ဘ	မ
ယ	ရ	လ	ဝ	သ
	ဟ	ဌ	အ	

က

ကျီးကန်

কাক

တကောင် ကျီးကန်
ရေသောက်တေ၊
သုံးကောင် ကြည့်နေရေ။



ကျား

বাঘ

কোঁচ

বিড়াল

চুন্নকোঁক

চুড়ি

က

က

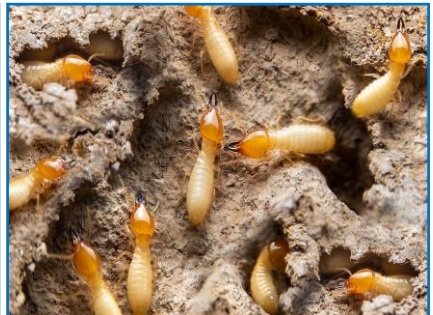
က

ခ

ခရန်သီး

ပေဉ္စ

ခရန်သီး လက်သုပ်
ငါးခြောက်
ဖုတ်၊ စားဖို့ ခြေရေ
မဖြတ်နိုင်။



ခွီး

ကုကု

တံခါ

သရဉ္စ

ခြေ

ဩပေါကာ

ခ

ခ

ခ



၀ေါင်းခင်

আকাশ

၀ေါင်းခါင် လင်းရေ
လရောင်မ၊ လူများ
ပျောရေ ကိုတလင်းမါ။



၀ိုင်

গন্ডার

သ၀ါဇွဲ

চিনি

၀ေါင်းအုံ

বালিশ

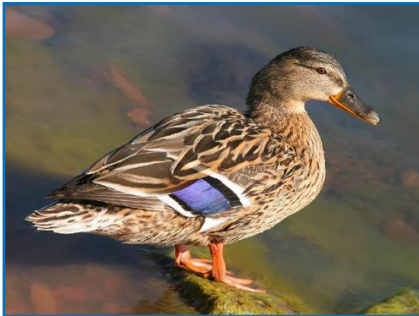


C

ငါး

မာဇ

ငါးပြီ တကောင် ကင်၊
စားဖို့ ကျောင်းတို့
မလာခင်။



ငရုပ်သီး

လင်္ကာ

ဘဲငန်း

ဟံင်

ငှက်

ပါး

C

C

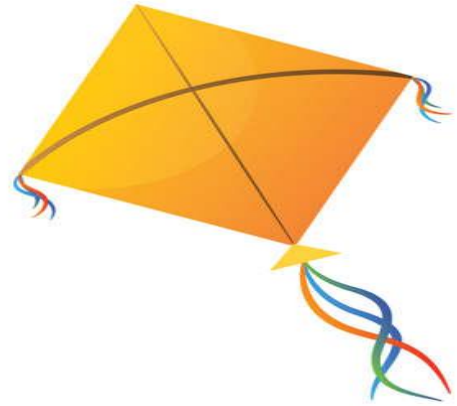
C



ဝိန်း

ဖွဒိ

တဖောင်းလမာ သွတ်က သွတ်က
လေထရေ၊ မိမိမသွယ်
ယောက်ကျားသွယ် စွန် မြောက်လို
ပျော့ဂတ်တေ။



စာ:

ဧာ

မျက်စိ

စာ

စက်ကြေး

ကစဲ



ဆ

ဆိတ်

ছাগল

အရန် မဟိတ် လုပ်တော
ဟင်းခါင်း၊ အပြားခန်ရေ
ဆိတ် အိမ်သျှင်။



ဆင်

হাতি

রিসিং

ঝরনা

সোঃ

লবণ

ဆ

ဆ

ဆ



ဇွန်

ဇာမဇ

ဇွန်လ ကျုံးဗော စား၊
အမြတ်ကို ဖယ်ဗောထား။



ဇီးသီး

ကုလ

ကဇူးသီး

ဟရိတကိ

ကံဇွန်

ကလမိ နာက

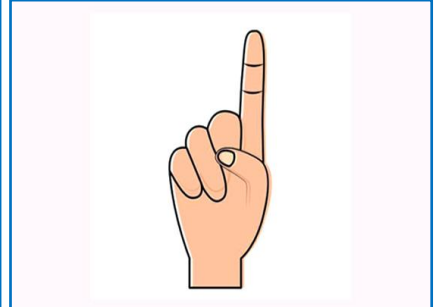
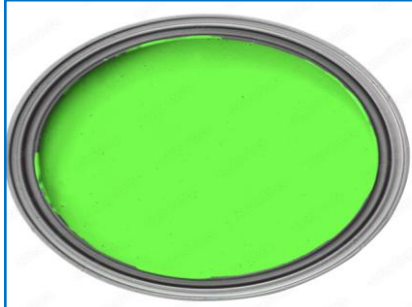


ည

ညောင်ပင်

अश्वत्था

လမ်းနား သစ်ပင်
ညောင်ပင် အရိတ်မ၊
ပုရေဆာရေ ချမ်းသာ
ရမေနား။



ညောင်သီး

अश्वत्थफल

အညှိုးရောင

সবুজ রং

လက်ညှိုး

আঙুল

ည

ည

ည

က

ကဏန်းပေါင်စက်

ক্যালকুলেটর

ကဏန်းပေါင်စက်လ ရရေ
ကဏန်းကိုပေါင်း၊
ပေါင်းကေ အနိဉ်အများ
သိတ်ရမေ။



ကဏန်း

সংখ্যা

ကဏန်း

কাঁকড়া

တောင်
ကဏန်း

পাহাড়ি
কাঁকড়া

က

က

က

က

တောက်တတ်

ତମ୍ବକ

တောက်တတ် မြေးရေ
အိမ်ခေါင်မာ၊ မိုဃ်ရွာဖို့
နေပုဖို့ ဟုရာ
ကြည့်ရေနာ။



တောင်း

တူကရိ

အတော[့]

ပါစာ

ပတင်းပေါက်

ଜାନာလာ

က

က

က



ဆန်းသီး

তাল

ဆန်းသီး ရေလာ မို့
လုပ်မေ၊ မိတ်သားတစုတ်
စားဂတ်မေ။



ဆီး

ছাতা

ရထား

রথ

ဆန်းပင်

তালগাছ

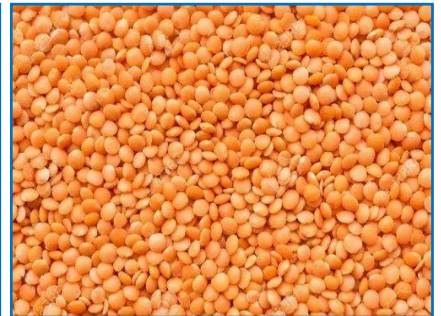


3

ဒါဖြတ်သီး

ငါလာ

ဒါဖြတ်သီး ပုံး ဟင်ရေ
ချီရေ၊ မြင်ရေသူ
သောက်ချင်ရေ။



ဒုံး

ငါလာ

ဒေါသီး

ဆူတဲလ

ဒါလ်

မဆူရ ဒါလ

3

3

3



မာ:

কাটারি

မာ: ယုဗေါ ခရန်သီး သင်၊
ချက်ကတ်မေ
ခြံယောင်ဟင်။



မတ်ဆိမိ:

টচ লাইট

မာ:သျှေ

ছুরি

မတ်သျှက်

ভিসিডি



န

နာ:

နာ

ခွေး မကောင် သွား၊
လူ မကောင် နာ။



နေ

ဓူရ်

နာမ

ဂာဗီ

အနီရောင်

နာရီ

န

န

န



ပန်း

ပွင့်

ဘုရားမ ပန်းတင်မေ၊
ချမ်းသာပါဇိ
ဆူတောင်မေ။



ပုစွန်

ငါးမာ

ပန်းသီး

ကံဇာ

ပင်ပင်

ပင်



ଓ

ଓ:

ବ୍ୟାଢ଼

မିଥ୍‌ସ୍‌ଟାର୍‌ ଗୌରବେନା।
ଓ: ମିଥ୍‌ସ୍‌ଟାର୍‌ ଅନ୍ଧେନା।



ଓ

ଉଦ

ଲକ୍ଷ୍ମୀ

ଚା

ଓ

କୁମଡ଼ୋ

ଓ

ଓ

ଓ



ආයු

වක

උච්ඡායුරු ආයු
අරුණකා ආයුරු මල
මරාලා



ආයුරු

වක

ආයුරු

ආයුරු

ආයුරු

ආයුරු



အ

ဘုရား

ဘုရား

ဘုရား တရား
မြတ်သံဃာ၊ ရှိခိုး
ကန်တော်ပါ။



ဘူး

ပိတলের ဟံ့ဒါ

သင်္ဘော

အာဟာရ

ဘူးသီး

လာဇီ

အ

အ

အ



ঘোৰ্ণ

বানৰ

যাৱা খৰী: ঘোৰ্ণ
খা:ৰে। লৰ্ণনে খ্ৰী:ৰে
অপৰ্ণদৰ্ণক
খ্ৰীৰ্ণখ্ৰীৰে॥



খ্ৰীৰ্ণ:

ঘোড়া

খ্ৰীৰ্ণ:

খ্ৰীৰ্ণ

খ্ৰী:

সাপ



ယ

ယန်

খরগোশ

ယန်စားရေ ဟင်ခင်းမာ၊
လစ်ကေ ဗြီးရေ မရနာ။



ယပ်

পাখা

যঁ

মাছি

উষাদাঁত

মোমবাতি

ယ

ယ

ယ

ရ

ရိ

ဥဏ

သင်မိုးလာ ရီချိုးမေ
ကံမာ၊ အလှဖြစ်မေ
ကိုခန့်ထား။



ရက်ကန်းစင်

တံတ

ရောင်ပင်

စေ့ခွံ ဂါဇ

သရက်သီး

အာမ

ရ

ရ

ရ

လ

လ

ငါ်သ

လ ပရေ ဂေါ်င်းခင်မ၊
လူများပျော်ရေ တလင်မ။



လမ်း

ပၤစာ

လှေ

နီုက

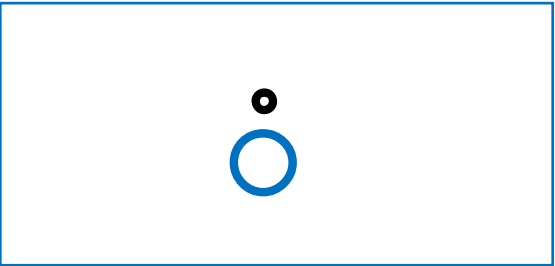
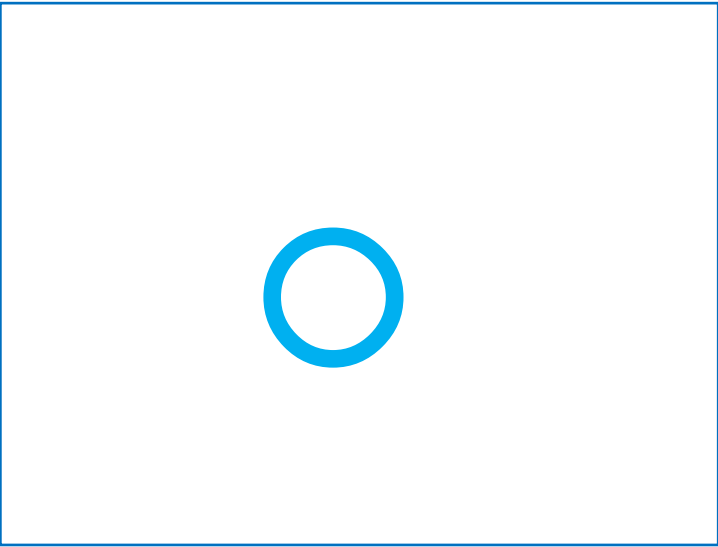
အိမ်လှည်း

ဘာဉ်

လ

လ

လ



ভান্নুক

အပင် ထက်တို့ ၏
တက်တေ၊ လူများ
အောက်က မော်
ကြည့်ရေ။



ဝက်

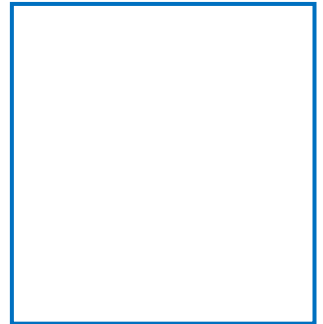
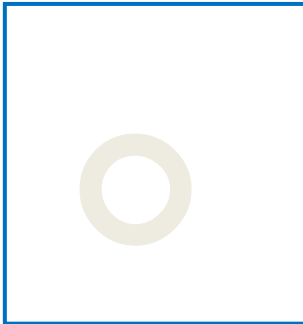
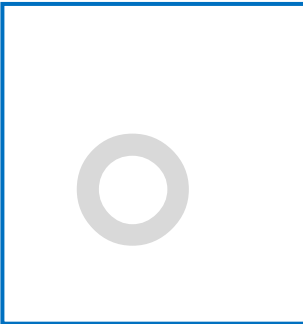
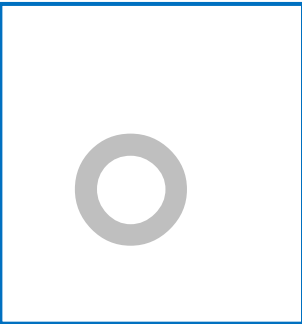
শুকর

အဝါရောင်

হলুদ রঙ

ဝါဂွမ်း

ତୁଳା



သ

သစ်ကျား

ငါတိဘာ

သစ်ပင် ထက်မ သစ်ကျား
အိုတ်တေ၊ အောက်က
မြေခွေး မော် ကြည့်ရေ။



သံရိုး

လောဟာရ ရဒ

ခြင်သွီး

စိဟ

ကျောက်သင်ပုန်း

စွေ

သ

သ

သ

ဟ

ဟင်းသီးဟင်းရွက်

শাকসবজি

ဟင်းသီးဟင်းရွက် ပြန်ပေါ
မလောက်၊ ငရုပ်စိ တခွက်
အပြန် ပြန်ရေ
ဟင်ရေသောက်။



ဟင်းသား

মাংস

ရဟတ်ယာဉ်

হেলিকপ্টার

ပိုးဟပ်

আরশোলা

ဟ

ဟ

ဟ

အ

အလက်

হাত

အလက်မ ဒါး၊
အလုပ်လုတ်တေ ငါ။



အခြေ

পা

အစိတ်

বীজ

အတောင်

ডানা

အ

အ

အ

လိကတ် ငါရူ ရေတွက် ကဲမ

၁	တစ်		၁
၂	နှစ်		၂
၃	သုံး		၃
၄	လေး		၄
၅	ငါး		၅
၆	ခြောက်		၆
၇	ခုနစ်		၇
၈	သျှစ်		၈
၉	ကိုး		၉
၁၀	ဆယ်		၁၀

၁၁	တဆယ်တစ်		၁၁
၁၂	တဆယ် နှစ်		၁၂
၁၃	တဆယ် သုံး		၁၃
၁၄	တဆယ်လေး		၁၄
၁၅	တဆယ်ငါး		၁၅
၁၆	တဆယ်ခြောက်		၁၆
၁၇	တဆယ် ခုနှစ်		၁၇
၁၈	တဆယ် သျှစ်		၁၈
၁၉	တဆယ် ကိုး		၁၉
၂၀	နှစ်ဆယ်		၂၀

၁	၁	၁	၁	
၂	၂	၂	၂	
၃	၃	၃	၃	
၄	၄	၄	၄	
၅	၅	၅	၅	
၆	၆	၆	၆	
၇	၇	၇	၇	
၈	၈	၈	၈	
၉	၉	၉	၉	
၁၀	၁၀	၁၀	၁၀	

၁၁	၁၁	၁၁	၁၁	
၁၂	၁၂	၁၂	၁၂	
၁၃	၁၃	၁၃	၁၃	
၁၄	၁၄	၁၄	၁၄	
၁၅	၁၅	၁၅	၁၅	
၁၆	၁၆	၁၆	၁၆	
၁၇	၁၇	၁၇	၁၇	
၁၈	၁၈	၁၈	၁၈	
၁၉	၁၉	၁၉	၁၉	
၂၀	၂၀	၂၀	၂၀	

ଓଃଃଃ ଅକ୍ଷର

(ବାଂଲା ବର୍ଣ୍ଣମାଳା)

ଘର ଅକ୍ଷର

(ସ୍ଵରବର୍ଣ୍ଣ)

ଅ ଆ ଈ ଈ ଉ ଊ
ଋ ଏ ଐ ଓ ଔ

ଘାଞ୍ ଅକ୍ଷର

(ବ୍ୟଞ୍ଜନବର୍ଣ୍ଣ)

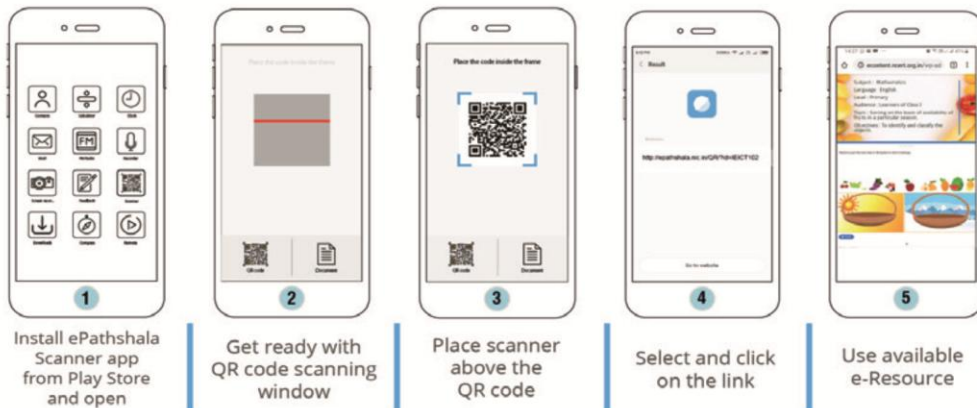
କ	ଖ	ଗ	ଘ	ଙ
ଚ	ଛ	ଜ	ଝ	ଞ
ଟ	ଠ	ଡ	ଢ	ଣ
ତ	ଥ	ଦ	ଧ	ନ
ପ	ଫ	ବ	ଭ	ମ
ଯ	ର	ଲ	ବ	ଶ
ଷ	ସ	ହ	ଢ	ଡ
ୟ	ଂ	ଂ	ଂ	ଂ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala .

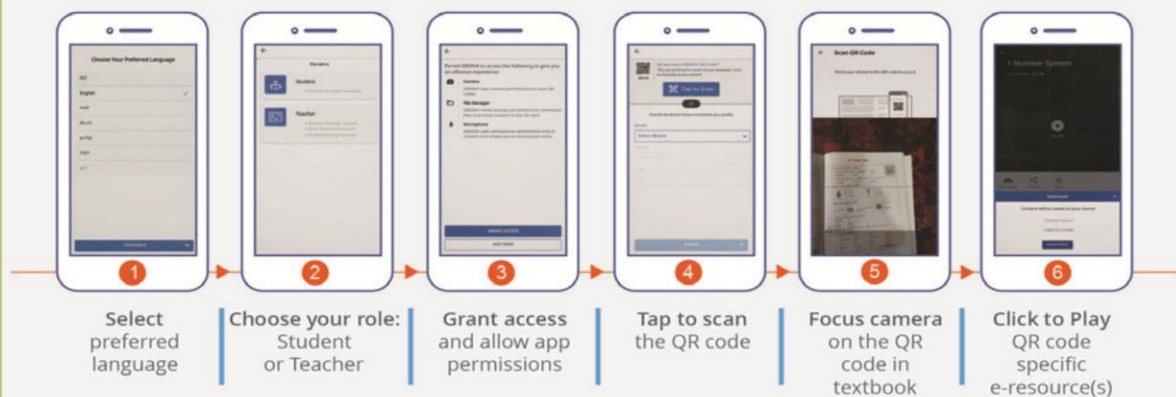


For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to <https://epathshala.nic.in/topics.php> and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA** .



For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to <https://diksha.gov.in/resources> and enter the alphanumeric code given under the QR code

**PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR
BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)**

SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ASSAMESE	9	KONKANI	17	SANSKRIT
2	BENGALI	10	MAITHILI	18	SANTALI
3	BODO	11	MALAYALAM	19	SINDHI
4	DOGRI	12	MANIPURI	20	TAMIL
5	GUJARATI	13	MARATHI	21	TELUGU
6	HINDI	14	NEPALI	22	URDU
7	KANNADA	15	ODIA		
8	KASHMIRI	16	PUNJABI		

NON - SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ADI	20	KINNAURI	39	MISING
2	ANAL	21	KISAN (KUNHU)	40	MIZO
3	ANGAMI	22	KODAVA	41	MOGH
4	AO	23	KOKBOROK	42	MUNDARI
5	BHILI (VASAVA)	24	KOLAMI	43	NYISHI (NISSI)
6	BHUTIA	25	KONDA	44	RABHA
7	BISHNUPRIYA MANIPURI	26	KORKU	45	RAI
8	DEORI	27	KORWA	46	SHERPA
9	DIMASA	28	KOYA	47	SAVARA (SORA)
10	GADABA (GUTOB)	29	KUI	48	SÜMI (SEMA)
11	GARO	30	KUKI	49	TAMANG
12	HALBI	31	KURUKH	50	TANGKHUL
13	HMAR	32	KUZHLE (KHEZHA)	51	TANGSA
14	JATAPU (KUVI)	33	LEPCHA	52	TIWA (LALUNG)
15	JUANG	34	LIANGMAI	53	TULU
16	KABUI	35	LIMBU	54	WANCHO
17	KARBI	36	LOTHA		
18	KHANDESHI	37	MAO		
19	KHARIA	38	MISHMI (IDU)		



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006

☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016

☎ 011 2696 2580 / ✉ dceta.ncert@nic.in